hindi-parcha-final.qxd 1/26/2019 6:29 PM Page 1

YUVA HALLA BOL

Nationwide Youth Movement for Job Opportunities & Fair Selection

जॉब चाहिए, जुमला नहीं !

hindi-parcha-final.qxd 1/26/2019 6:29 PM Page 2

अंकानुक्रम

1. युवा-हल्लाबोल : परिचय	3
2. युवा-हल्लाबोल में शामिल समूहों की सूची	4
3. पेपर लीक का अंधकार भरा दौर	5, 6, 7
4. मांग-पत्र : नौकरियों के अवसर और दोषमुक्त परीक्षा	8
5. मॉडल एग्जाम कोड	9
6. भर्ती परीक्षा और चयन आयोगों से संबंधित मांग	10
7. बेरोजगारी का संकट : आगे की राह	11
8. आंदोलन का आह्वान	13

hindi-parcha-final.qxd 1/26/2019 6:30 PM Page 3

युवा-हल्लाबोल : जॉब चाहिए, जुमला नहीं

युवा-हल्लाबोल बेरोजगारी के खिलाफ चल रहा एक राष्ट्रव्यापी युवा आंदोलन है। युवाओं के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर और पारदर्शी समयबद्ध चयन प्रक्रिया को केंद्र में रखकर चलाया जा रहा यह आंदोलन एक ऐसे भारत की कल्पना करता है, जहां हर नागरिक के पास अपनी क्षमतानुसार राष्ट्रनिर्माण में योगदान करने का अवसर हो।

हम मांग करते हैं :-

- सरकारी विभागों व सार्वजनिक क्षेत्र में खाली पड़े पदों को तुरंत भरा जाए
- विभिन्न क्षेत्रों में जितनी जरुरत हो उसके हिसाब से और पद सृजित किए जाएं
- 'मॉडल एग्जाम कोड' लागू किया जाए ताकि हर चयन प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से 9 महीने में पूरी की जा सके
- चयन प्रक्रियाओं में पेपर लीक, देरी व भ्रष्टाचार के साम्राज्य को समाप्त कर स्वच्छ चयन प्रक्रिया सुनिश्चित किया जाए

मार्च 2018 में एसएससी घोटाले के खिलाफ राष्ट्रव्यापी स्वतःस्फूर्त युवा आक्रोश के दौरान जन्मा युवा-हल्लाबोल आज देशभर के विभिन्न चयन आयोगों की अक्षमता व भ्रष्टाचार से पीड़ित व शोषित छात्रों की आवाज बुलंद करने के लिए एक सशक्त माध्यम बनकर उभरा है।

साथ ही, इसी दौरान देश के कई अन्य प्रांतों में नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं को अधिकार दिलाने के लिए कई सशक्त युवा आंदोलनों का उभार हुआ है। राजनैतिक विचारधाराओं से ऊपर उठकर अनेक अभियानों, संगठनों व युवाओं ने इकट्ठा होकर बेरोजगारी के दानव से एक साथ लड़ने का फैसला किया है।

युवा-हल्लाबोल कोई संगठन नहीं है, संगठनों का समूह भी नहीं है; यह एक आंदोलन है, जिसमें सांगठनिक और राजनैतिक विचारधाराओं से ऊपर उठकर काम करने की इच्छा रखने वाले हर नागरिक का स्वागत है कि वो आएं और अपने योगदान से आंदोलन को मजबूत करें।

hindi-parcha-final.qxd 1/26/2019 6:30 PM Page 4

युवा-हल्लाबोल में शामिल संगठन व समूह

1. बेरोजगार सेना
2. सुराज्य सेना
3. युवा शक्ति संगठन
4. कर्नाटक फॉर एम्प्लॉयमेंट
5. यूनाइटेड अगेंस्ट हेट
6. मिथिला स्टूडेंट्स यूनियन
7. जन संसद
8. यूथ फॉर स्वराज
9. परिषदीय अनुदेशक कल्याण संघ
10. बी.पी.एड संघ (उत्तर प्रदेश)
11. बीटीसी संयुक्त मोर्चा संघ
12. बिहार दरोगा भर्ती मोर्चा
13. उत्तर प्रदेश दरोगा भर्ती समूह
14. यूथ ऑफ द नेशन स्टूडेंट आर्गेनाइजेशन (राजस्थान)
15. एनएसी सिविलियन (रक्षा मंत्रालय) अभ्यर्थी समूह
16. जीडी कॉन्स्टेबल 2011 अभ्यर्थी समूह
17. आरपीएससी एलडीसी 2013 अभ्यर्थी समूह
18. आरएसएसबी 2018 अभ्यर्थी समूह
19. उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग परीक्षार्थी समूह
20. पीईबी ग्रुप 4 परीक्षार्थी समूह
21. ऑर्डिनेन्स फैक्ट्री परीक्षार्थी समूह
22. दिल्ली बेरोजगार अध्यापक संघ
23. झारखंड कर्मचारी चयन आयोग परीक्षार्थी समूह
24. सिविलियन (रक्षा मंत्रालय) परीक्षार्थी समूह
25. झारखंड लोक सेवा आयोग परीक्षार्थी समूह
26. बिहार लोक सेवा आयोग परीक्षार्थी समूह
27. जम्मू-कश्मीर लोक सेवा आयोग परीक्षार्थी समूह
28. मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग परीक्षार्थी समूह
29. छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग परीक्षार्थी समूह
30. महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग परीक्षार्थी समूह
31. एसबीआई पीओ 2016 परीक्षार्थी समूह
32. एसएससी सीपीओ 2017 परीक्षार्थी समूह
33. डीएसएसएसबी डास ग्रेड 2 परीक्षार्थी समूह
34. चंडीगढ़ पुलिस परीक्षार्थी समूह
35. रेलवे चयन बोर्ड आवेदन रद्दीकरण समूह
36. भारतीय मौसम विभाग परीक्षार्थी समूह
37. 69000 सहायक शिक्षक चयन समूह
38. 12000 शिक्षक परीक्षार्थी समूह
39. हाइक रिसर्च फेलोशिप समूह
40. केंद्रीय विद्यालय पुस्तकालयकर्मी
41. केवीएस एलडीसी/यूडीसी परीक्षार्थी समूह
42. तीस हजारी स्टेनोग्राफर परीक्षार्थी समूह
43. इलाहाबाद उच्च न्यायालय स्टेनोग्राफर परीक्षार्थी समूह
44. तीस हजारी सहायक परीक्षार्थी समूह
45. एसएससी स्टेनोग्राफर 2017 परीक्षार्थी समूह
46. दिल्ली उच्च न्यायालय सहायक परीक्षार्थी समूह
47. हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग परीक्षार्थी समूह
48. हरियाणा लोक सेवा आयोग परीक्षार्थी समूह
49. यूपीएससी सीसैट सत्याग्रह
50. उत्तर पुलिस कांस्टेबल 2013 परीक्षार्थी समूह
51. फ्रेटरनिटी मूवमेंट
52. हक इंसाफ काउंसिल, जम्मू-कश्मीर
53. एसआईओ
54. राष्ट्रीय युवा क्रांति मोर्चा
55. युवा मंच, उत्तर प्रदेश
56. हिमाचल कांगड़ा केंद्रीय सहयोगी बैंक भर्ती समूह
57. उत्तर प्रदेश ग्राम विकास अधिकारी परीक्षार्थी समूह
58. युवा कौशल अकादमी
59. पयोधि उत्थान फॉउंडेशन
60. एक्सीलेंड अकेडमी
61. यूथ वेलफेयर एसोसिएशन

hindi-parcha-final.qxd 1/26/2019 6:30 PM Page 5

पेपर लीक का अंधकार युग

- SSC CGL 2017: प्रश्न पत्र लीक होने के कारण पूरे देश में छात्रों का प्रदर्शन हुआ। यह परीक्षा 17 फरवरी से 22 फरवरी के बीच आयोजित हुई थी।

➜ **वस्तु स्थिति :** सुप्रीम कोर्ट में इस मामले का प्रतिनिधित्व प्रशांत भूषण कर रहे हैं और अदालत ने यह स्वीकार कर लिया है कि परीक्षा में धांधली हुई।

- BSSC : इस परीक्षा का प्रश्नपत्र 8 दिसम्बर को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और बहुत से परीक्षार्थियों को वाट्सएप्प के द्वारा प्रश्नपत्र मिलने लगे। यह परीक्षा 8,9,10 दिसम्बर को दो शिफ्ट में आयोजित होनी थी। इसमें कुल 18,57,640 परीक्षार्थी शामिल हैं जो 571 परीक्षा केंद्रों पर होना था, जिनमें प्रतिदिन 6,52,000 विद्यार्थी और एक शिफ्ट में 3,26,000 विद्यार्थी शामिल थे।

➜ **वस्तु स्थिति :** कार्रवाई करने के बदले उलटे विद्यार्थियों को डराया-धमकाया गया, धांधली का सबूत पेश करने को कहा गया। अभी तक इस पर कोई जांच की बात सामने नहीं आई है।

- UPSSSC **:** यह परीक्षा 2 सितम्बर 2018 को आयोजित होनी थी लेकिन 1 सितंबर को ही हिंदी प्रश्नपत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। बाद में परीक्षा को टाल दिया गया।

➜ **वस्तु स्थिति :** उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स ने 11 लोगों को इस प्रश्नपत्र लीक मामले में गिरफ्तार किया है।

- **ट्यूबवेल भर्ती परीक्षा** 24 अगस्त को 364 केंद्रों पर आयोजित होनी थी। इसमें कुल 2.5 लाख विद्यार्थी 3210 पदों के लिए परीक्षा में बैठने वाले थे।

- **गुजरात पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा :** यह परीक्षा 2 दिसम्बर को आयोजित होनी थी लेकिन सोशल मीडिया पर प्रश्नपत्र लीक होने के बाद पर परीक्षा के कुछ घंटे पहले ही रद्द कर दिया गया। इस परीक्षा में 8,75,000 विद्यार्थी, गुजरात के 2440 केंद्रों में भाग लेने वाले थे।

➜ **वस्तु स्थिति** : पुलिस ने 2 बीजेपी कार्यकर्ताओं मनहर पटेल, मुकेश चौधरी, सब इंस्पेक्टर पी.आई.पटेल और एक होस्टल रेक्टर रूपल शर्मा को गिरफ्तार किया है।

- **भारतीय वायु सेना भर्ती परीक्षा** (IAF) : इसकी ऑनलाइन परीक्षा 13 सितंबर से 16 सितंबर को अनायुक्त अधिकारी के पद के लिए आयोजित हुई। इसमें 2 अभियुक्तों ने इस ऑनलाइन परीक्षा में इस्तेमाल कंप्यूटर तक अपनी पहुंच बना ली और एक समानातंर सिस्टम पास के ही एक प्राइवेट हॉस्पिटल जो कि हिसार रोहतक रोड में है, बना ली। धांधली के एवज में 3.50 लाख से 6 लाख तक परीक्षार्थियों से वसूल रहे थे। इसमें 2 लोग 15 सितंबर को गिरफ्तार हुए, उनमें एक परीक्षा का निरीक्षक भी था।

➜ **वस्तु स्थिति** : 17 सितम्बर तक कुछ लोग गिरफ्तार होने के भय से फरार है।

- **राष्ट्रीय रक्षा अकादमी** (NDA): यह प्रवेश परीक्षा 9 सितम्बर 2018 को आयोजित की गई। इस परीक्षा में शामिल एक विद्यार्थी पटना में मोबाइल फोन की मदद से दोनों शिफ्ट की पेपर की फोटो क्लिक किया और इसे ग्रुप में शेयर कर दिया था जबकि मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण प्रतिबंधित है। कॉलेज में लगा जैमर भी मोबाइल के प्रयोग को पकड़ने में असफल रहा। बता दें कि NDA की परीक्षा UPSC द्वारा करायी जाती है जो कि थलसेना, वायुसेना और जलसेना में भर्ती के लिए की जाती है।

➜ **वस्तु स्थिति :** कोई जानकारी नहीं।

- HSSC (J) : पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के पूर्व रजिस्ट्रार पर सुनीता को प्रश्नपत्र देने का आरोप है और सुनीता ने इसे अपने मित्र सुशीला के साथ इस प्रश्नपत्र को साझा किया।

→ **वस्तु स्थिति** : दोषी गिरफ्तार हुए और अभी बेल पर बाहर हैं।

- **बिहार पुलिस (कांस्टेबल और SI)** : यह भर्ती परीक्षा 15 अक्टूबर से 22 अक्टूबर 2017 तक 9900 पदों के लिए आयोजित की गई और इसमें 11 लाख परीक्षार्थियों ने अपना हाथ आजमाया। इसमें व्यापम घोटाले जैसे कितने ही अनिमियतता का पता चला। डमी परीक्षार्थी से लेकर जाली फिंगर प्रिंट्स और फोटोज जैसी चीजें पाई गई।

→ **वस्तु स्थिति** : बाद में कुछ गिरफ्तारियां हुईं। मामला अभी कोर्ट में है।

- **रेलवे ग्रुप डी परीक्षा :** 60000 पदों के लिए 2 करोड़ 37 लाख परीक्षार्थी शामिल हुए। बहुत बड़ी मात्रा में अनिमियता और डमी परीक्षार्थी पाए गए। परीक्षा ऑनलाइन हुई लेकिन इसकी पीडीएफ प्रारूप में प्रश्न पहले से ही वायरल पाए गए।

→ **वस्तु स्थिति** : अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

- **टीईटी परीक्षा** : शिक्षा भर्ती के लिए होने वाली यह परीक्षा 18 नवंबर 2018 को आयोजित हुई।

→ **वस्तु स्थिति** : उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फॉर्स ने 41 सोलवरो को पकड़ा है।

- **उत्तर प्रदेश पुलिस (कांस्टेबल)** : आगरा में वाट्सएप्प के जरिये प्रश्नपत्र लीक हुआ।

→ **वस्तु स्थिति** : पांच गिरफ्तारियां हुईं उसमें से एक परीक्षा केंद्र का इंचार्ज भी था।

- **बेसिक ट्रेनिंग सर्टिफिकेट :** 8 अक्टूबर को BTC ट्रेनिंग 2015 के चौथे समेस्टर का प्रश्न पत्र एक दिन पहले ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

→ **वस्तु स्थिति** : बाद में कुछ लोग गिरफ्तार हुए। इसके मुख्य आरोपी आशीष अग्रवाल की 4 जनवरी 2019 को मृत्यु हो गयी।

- UPPCL : सहायक समीक्षा अधिकारी समेत कई लोगों को अलग अलग केंद्रों से गिरफ्तार किया गया।कई केंद्रों पर तो नियुक्त निरीक्षक ही सॉल्वर के रूप में पाए गए।

- **उत्तर प्रदेश सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा:** 69000 पदों के लिए 6 जनवरी को परीक्षा लिया गया। वाट्सएप्प पर प्रश्नपत्र लीक हो गया।

→ **वस्तु स्थिति:** कोई जानकारी नहीं।

- J&K PSC: कश्मीर प्रशासनिक सेवा के 277 पदों की भर्ती के लिए मई 2016 में नोटिफिकेशन जारी किया गया। इसकी प्रारंभिक परीक्षा 19 मार्च 2017 को आयोजित की गई। एक महीने बाद परिणाम घोषित हुआ, जिसका कटऑफ 270 था, जिसमें 6925 अभियर्थियों का मुख्य परीक्षा के लिए चयन हुआ। मुख्य परीक्षा मार्च 2018 में ली गई।

→ **वस्तु स्थिति:** विद्यार्थियों ने दावा किया कि उनके अंक प्रारंभिक परीक्षा के कटऑफ से ज्यादा थे फिर भी उनका परिणाम नहीं आया। मुख्य परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थी मैन्युल रूप से पुनर्मूल्यांकन की मांग कर रहे हैं।

- **रेलवे सुरक्षा बल** SI : रेलवे में SI के 1120 पदों पर भर्ती के लिए 19 दिसम्बर से परीक्षा चल रही है।
- **राज्य सभा सहायक परीक्षा :** जुलाई 2018 को 122 पदों के लिए परीक्षा का आयोजन हुआ। ऑनलाइन परीक्षा का स्क्रीन शॉट्स सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा।

→ **वस्तु स्थिति** : अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

hindi-parcha-final.qxd 1/26/2019 6:30 PM Page 7

- **तीस हजारी कोर्ट स्टेनोग्राफर** : बहुत से अभ्यर्थियों को जालसाजी करने वालों का फोन आया और पैसों के बदले परीक्षा में अंक बढ़ाने की बात कर रहे थे।

- **वन रक्षक भर्ती परीक्षा, उत्तर प्रदेश** : दिसम्बर 2016 में 664 पदों पर भर्ती के लिए सूचना जारी की गई और 2 दिसम्बर 2018 को परीक्षा आयोजित की गई। प्रश्न पत्र लीक की खबर है।

→ **वस्तु स्थिति :** कोई कार्रवाई नहीं।

- SSC CHSL **2017 परीक्षा :** परीक्षा के समय प्रश्न पत्र लीक हो गया और स्क्रीन शॉट्स सोशल मीडिया पर वायरल होने लगे।

→ **वस्तु स्थिति** : उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स ने एक गैंग को दिल्ली के तिमारपुर इलाके से पकड़ा। UP STF ने बताया कि ये गैंग 4500 अभियर्थियों को लाभ पहुंचा रहा था जबकि कुल 3000 पद थे।

- **चंडीगढ़ पुलिस** : परिणाम को घोषित कर दिया गया बिना किसी उत्तरपत्र को जारी किए हुए। बाद में बहुत से प्रश्नों को गलत भी पाया गया।

- MPSC TAX ASSISTANT: बहुत से डमी अभियर्थियों को परीक्षा में शामिल पाया गया और बाद में पकड़े गए। 120 सरकारी कर्मचारी इसमें नामजद हुए।

→ **वस्तु स्थिति** : 120 लोगों को जेल हुई 700 दोषी अभी भी बहाल और ट्रेनिंग कर रहे।

- **उत्तर प्रदेश पुलिस दारोगा परीक्षा :** इस पद के लिए 2016 में सूचना जारी की गई थी और इसकी पुनर्परीक्षा ली गई। भारी मात्रा में नकल पाया गया। कोई भी बायोमैट्रिक्स का प्रयोग नहीं किया गया।

→ **वस्तु स्थिति :** अभी तक मामला लंबित है।

- **ओड़िशा टीईटी एग्जाम लीक :** ओड़िशा टीईटी का प्रश्न पत्र लीक होकर सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। ओड़िशा के 250 केंद्रों पर 1 लाख 70 हजार परीक्षार्थियों ने इस परीक्षा के लिए आवेदन भरा था।

→ **वर्तमान स्थिति** : परीक्षा रद्द कर दी गई।

- **कर्नाटक पुलिस सब-इंस्पेक्टर एग्जाम लीक :** 164 सब-इंस्पेक्टर पदों के लिए कर्नाटक भर के केंद्रों में परीक्षा हुई। क्राइम ब्रांच ने अभी तक पेपर लीक मामले में 16 लोगों को गिरफ्तार किया है।

→ **वर्तमान स्थिति :** इस मामले में अभी जांच जारी है।

- **इलाहाबाद उच्च न्यायालय ग्रुप सी और डी भर्ती पेपर लीक :** 3495 पदों के लिए 21 जनवरी को परीक्षा ली गई, जिसका पेपर लीक हो गया और कई लोगों की गिरफ्तारी हुई। परीक्षा शुरू होने के 40 मिनट पहले ही पेपर वायरल हो चुका था।

→ **वर्तमान स्थिति** : अभ्यर्थी पुनर्परीक्षा और जांच की मांग कर रहे हैं पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

hindi-parcha-final.qxd 1/26/2019 6:30 PM Page 8

युवा-हल्लाबोल

जॉब चाहिए, जुमला नहीं!

मांग पत्र

नौकरियों में अवसर और दोषमुक्त परीक्षा प्रणाली के लिए राष्ट्रीय आंदोलन

नौकरियों में अवसर

- सरकार के विभिन्न विभागों में खाली लगभग 24 लाख स्वीकृत पदों को भरा जाए। केंद्र सरकार के 4 लाख पदों को समाप्त करने वाली अधिसूचना को वापस लिया जाए।
- सरकारी नौकरियों के लिए आवेदन शुल्क समाप्त किया जाए।
- शिक्षा, पुलिस, न्यायालय, सशस्त्र व अर्द्धसैनिक बल, स्वास्थ्य सेवा, आंगनबाड़ी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में वास्तविक जरुरत के अनुसार नौकरियों को सृजित किया जाए।
- देशभर के रिक्त पड़े शिक्षकों के लगभग 11 लाख पदों को भरा जाए।
- खाली पड़े पदों के मामले में सम्बंधित मंत्रालय द्वारा संसद में वार्षिक रिपोर्ट पेश किए जाने का प्रावधान हो।
- शिक्षित युवाओं (ग्रेजुएट) के लिए राष्ट्रीय रोजगार गारंटी कानून बनाया जाए।
- सभी सरकारी नीतियों में रोजगार सृजन के लक्ष्य की भी घोषणा हो।
- सरकारी कामों के टेंडर में युवाओं को 50% का आरक्षण दिया जाए।
- भर्ती परीक्षाओं के लिए अंतिम रूप से प्रकाशित परीक्षा परिणाम के साथ ही वेटिंग/रिजर्व सूची भी जारी किया जाए।

दोषमुक्त चयन

- 'मॉडल एग्जाम कोड' लागू किया जाए ताकि हर चयन प्रक्रिया 9 महीने के भीतर संपन्न हो।
- ऑनलाइन परीक्षाओं में हो रही गड़बड़ियों के सुधार के लिए विशेषज्ञों की समिति गठित की जाए।
- सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता में ऑडिट समिति गठित की जाए, जिसे चयन आयोगों और बोर्ड द्वारा आयोजित कराई गई परीक्षाओं की समीक्षा का अधिकार हो।
- कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं का संचालन प्राइवेट वेंडर से न कराकर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी से कराया जाए।
- परीक्षार्थियों के लिए 24x7 शिकायत निवारण प्रकोष्ठ की सुविधा हो।
- भर्ती परीक्षा से संबंधित मामलों की सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाया जाए।
- भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ सख्त कानून बनाया जाए।
- सभी चयन बोर्ड/आयोग द्वारा वार्षिक परीक्षा कैलेंडर जारी किया जाए और पालन किया जाए।
- एग्जाम रद्द होने या देर होने के मामले में परीक्षार्थियों को क्षति पूर्ति के लिए मौका दिया जाए।
- परीक्षा केंद्र 100 किलोमीटर के दायरे में हों। ऐसा नहीं होने पर सरकार यात्रा और ठहरने के खर्च का वहन करे।

hindi-parcha-final.qxd 1/26/2019 6:30 PM Page 9

भर्ती परीक्षाओं में अनियमितता और भ्रष्टाचार खत्म करते हुए चयन प्रक्रिया को समयबद्ध बनाने के उद्देश्य से युवा-हल्लाबोल ने एक 'मॉडल एग्जाम कोड' प्रस्तावित किया है। इस कोड को लागू करने से यह किया जा सकता है कि सभी भर्ती प्रकिया अधिकतम 9 महीने में पूरी हो जाए। यह (मॉडल एग्जाम कोड) उन सभी दोषों को भी दूर करने में सहायक होगा, जो भर्ती प्रकिया में अनियमितता और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती हैं।

मॉडल एग्जाम कोड

- भर्ती विज्ञप्ति निकलने के बाद फॉर्म भरने के लिए 20 दिन का समय दिया जाए
  - ➜ अभ्यर्थी द्वारा फॉर्म भरे जाने के बाद मैसेज अथवा मेल के द्वारा जानकारी दी जाए। अगर उसमें कुछ त्रुटियां हैं तो उसे भी सही करने का नोटिस दिया जाए
- फॉर्म भरे जाने के 30 दिन में प्रवेश पत्र जारी हो जाए
  - ➜ इसके संबंध में मैसेज और मेल से अभ्यर्थी को सूचित किया जाए
  - ➜ सुनिश्चित किया जाए कि यदि फॉर्म में परीक्षा केंद्र चुनने का मौका न हो तो परीक्षार्थी का परीक्षा केंद्र उसके घर से 100 किलोमीटर से अधिक दूरी पर ना हो
- प्रवेश पत्र जारी करने के 15 दिन में परीक्षा करवा लिया जाए
  - ➜ परीक्षा पर्यवेक्षकों का ब्यौरा सरकारी एजेंसियों द्वारा सत्यापित किया जाए
  - ➜ परीक्षा संबंधित शिकायतों को दर्ज करवाने के लिए 24**x**7 ग्रीवांस सेल की स्थापना की जाए
  - ➜ ऑनलाइन परीक्षा के सॉफ्टवेयर की जांच सरकार द्वारा की जाए
  - ➜ परीक्षा केंद्र पर निःशुल्क सामान रखने की व्यवस्था हो
  - ➜ सभी परीक्षा कक्ष सीसीटीवी कैमरा युक्त हों
  - ➜ परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों के साथ-साथ पर्यवेक्षकों का भी मोबाइल या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्रयोग वर्जित हो
  - ➜ परीक्षार्थियों और पर्यवेक्षकों दोनों के बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज हो
  - ➜ परीक्षा केंद्रों पर जैमर लगे हों

प्री परीक्षा होने के 7 दिन के भीतर ANSWER KEY जारी हो

➜ ANSWER KEY को चुनौती देने के लिए आपत्ति / पुनरावृत्ति शुल्क माफ करें

- अगले 7 दिन में नए एवं अंतिम ANSWER KEY के साथ परीक्षा परिणाम घोषित हो जाए
  - ➜ परीक्षा में पूछे गए गलत प्रश्नों के लिए सबको समान अंक मिले
- अगले 1 महीने के भीतर अगले स्तर की परीक्षा / मैन्स / टाइपिंग / फिजिकल के लिए एडमिट कार्ड जारी हो
- एडमिट कार्ड जारी होने के 15 दिन बाद अगले स्तर की परीक्षा पूरी की जाए
- एक सप्ताह में ANSWER KEY जारी की जाए
- अगले 1 सप्ताह में REVISED ANSWER KEY के साथ अंतिम परिणाम घोषित किया जाए
- अंतिम रूप से सफल अभ्यर्थियों को परिणाम जारी होने से 3 महीने में ज्वाइनिंग मिले
  - ➜ यदि किन्हीं कारणों से ज्वाइनिंग में देरी हो रही हो तो अभ्यर्थियों को मुआवजा मिले
- किसी घटना या आवेदकों की ज्यादा संख्या हो जाने की स्थिति में एक महीने का अतिरिक्त समय

भर्ती प्रक्रिया के इन सभी पहलुओं का बिन्दुवार अवलोकन करने पर हम स्पष्ट देख सकते हैं कि किसी भी भर्ती में 9 माह से अधिक का समय नहीं लगना चाहिए। यहां तक कि कार्मिक मंत्रालय के 1 जनवरी 2016 को निकाले गए नोटिस के अनुसार सीधी भर्ती प्रक्रिया को 6 महीने में पूरा हो जाना चाहिए लेकिन भारत मे सरकारी नौकरियों के सपने देखने वाले युवाओं के लिए यह भी अब तक एक जुमला ही है।

इसलिए युवा-हल्लाबोल सरकार से एक न्यायोचित और तर्कसंगत मॉडल एग्जाम कोड लागू करने की मांग करता है।

मॉडल कोड लागू करो, 9 महीने में नौकरी दो!

hindi-parcha-final.qxd 1/26/2019 6:30 PM Page 10

विभिन्न चयन आयोगों से संबंधित मांगें

- UPSC : CSAT से प्रभावित अभ्यर्थियों के लिए अतिरिक्त प्रयास।
- SSC: परीक्षा की देरी और रद्द से प्रभावितों के लिए अतिरिक्त प्रयास।
- SSC CGL में उम्र की गणना 1 जनवरी से हो।
- विभिन्न कमीशनों जैसे की DSSSB, UPSSC, JPSC की लंबित पड़ी परीक्षाओं को यथाशीघ्र संपन्न किया जाए।
- UPPSC में अभियंताओं की की भर्ती प्रक्रिया को पूरा किया जाए, RPSC के द्वारा LDC की बहाली हो। (दोनों ही प्रक्रिया 2013 से लंबित है)
- BTC प्रशिक्षितों को न्याय मिले, **PNP** (परीक्षा नियामक प्राधिकरण) को उत्तर प्रदेश में संपन्न परीक्षाओं का उत्तरदायी बनाया जाए।
- **UPSC** को प्रशासनिक सेवा की उत्तर कुंजिका परीक्षा संपन्न होने के 15 दिनों के भीतर जारी हो।
- स्टेनोग्राफर ग्रुप उ और ऊ(टाइपिंग फॉन्ट साइज और स्टाइल को नोटिफिकेशन के समय ही सूचित कर दिया जाए)।
- MPSC डमी अभ्यर्थी केस के जांच को जल्दी अंजाम तक पहुंचाया जाए।
- **इन परीक्षाओं में धांधली और प्रश्नपत्र लीक मामले की शीघ्र जांच हो**
  - → SSC CGL और CHSL 2017
  - → रेलवे ग्रुप डी भर्ती
  - → बिहार SSC परीक्षा
  - → UPSSSC परीक्षाएं
  - → गुजरात कांस्टेबल भर्ती
  - → बिहार पुलिस कांस्टेबल
  - → उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल
  - → बिहार पुलिस सब इंस्पेक्टर
  - → हरियाणा सिविल सेवा परीक्षा
  - → राज्य सभा सहायक
  - → भारतीय रक्षा अकादमी परीक्षा
  - → भारतीय वायुसेना भर्ती
  - → ग्रामीण विकास अधिकारी, उत्तर प्रदेश
  - → गुजरात कांस्टेबल भर्ती
  - → कर्नाटक पुलिस सब इंस्पेक्टर
  - → उड़ीसा शिक्षक पात्रता परीक्षा
- उत्तर प्रदेश में अनुदेशकों को 17000 रुपये प्रति माह देने के मार्च 2017 से लंबित सरकारी आदेश को लागू किया जाये
- अंतिम परिणाम घोषित करके उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती-2013 को पूरा किया जाये
- कॉन्स्टेबल 2011 की भर्ती प्रकिया को पूरा किया जाये
- हिमाचल प्रदेश में कांगड़ा केन्द्रीय सहयोगी बैंक भर्ती को रद्द करने के निर्णय को वापस लिया जाये और अर्हता प्राप्त (क्वालीफाइड) अभ्यर्थियों को ज्वाइनिंग लेटर दिए जाएं
- (शाहजहांपुर) 2015 (टेलर) के लिए चयनित 104 अभ्यर्थियों को ज्वाइनिंग दी जाए

hindi-parcha-final.qxd 1/26/2019 6:30 PM Page 11

बेरोजगारी का संकट : आगे की राह

नौ साल पहले मैं शिक्षा के क्षेत्र में कदम रखा। इससे मुझे हमारे खूबसूरत, विविध देश के सुदूरवर्ती इलाकों में जाने का मौका मिला, यहां के गाँवों, कस्बों में जाकर विद्यार्थियों, शिक्षकों, से मिलने का मौका मिला। मेरा यह भ्रम जल्द ही टूट गया कि रोजगार और आजीविका के संकट का शिक्षा से कुछ लेना देना है। अगर हम केवल 'मेधावी' छात्रों पर ही ध्यान केंद्रित करें तो भी रोजगार और आजीविका के अवसर इतने कम हैं और इतनी धीमी गति से बढ़ रहें हैं (अगर बढ़ भी रहे हैं तो) कि सबके लिए तीव्र संघर्ष है। सर्वश्रेष्ठ शिक्षा प्राप्त कर चुके लोगों के लिए भी रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं हैं। शिक्षा की स्थिति में सुधार अवश्य होना चाहिए पर केवल शिक्षा के सुधरने मात्र से रोजगार और आजीविका का संकट दूर नहीं होगा।

- अनुराग बेहर (उपकुलपति, अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय), स्टेट ऑफ वर्किंग इंडिया, 2018

भारत बेरोजगारी के गहरे संकट के दौर से गुजर रहा है। करोड़ों भारतीय युवा नौकरियों की तलाश में भटक रहे हैं। किसानों की तरह नौजवान भी आत्महत्या करने को मजबूर हो रहा है। भारत में 15 से 29 उम्र के बीच के युवाओं का आत्महत्या दर दुनिया में सर्वाधिक में से एक है। प्रति एक घंटे पर एक युवा आत्महत्या करने को मजबूर हो रहा है। 2011 से 2015 के बीच 40,000 युवाओं ने अपनी जान ले ली। समाचार पत्रों के मुताबिक इसमें से कई बेरोजगारी से संबंधित थे। हर 'मूड ऑफ द नेशन' सर्वे में रोजगार के अवसरों की कमी सबसे बड़ी चिंता के रूप में सामने आ रही है। भारत में बेरोजगारी संकट की प्रकृति में भी बदलाव आ रहा है। पारंपरिक रूप से कृषि छोड़कर आने वाले सरप्लस लेबर के लिए रोजगार के अवसरों का सृजन सबसे बड़ी चुनौती होती थी पर बढ़ते ग्रॉस एनरोलमेंट रेश्यो (GER) के कारण शिक्षित बरोजगारी एक नई चुनौती बन कर उभरी है। ताजा आंकड़ों के अनुसार शिक्षितों में बेरोजाारी दर का 16% पहुंचना एक गहरी चिंता का विषय है। यह तो तब है जब बढ़ रहे GER के कारण लेबर वर्कफोर्स में वृद्धि दर में गिरावट आई है। संक्षेप में, शिक्षित बेरोजगारी समय के साथ और विकराल होता जाएगा और ये किसी भी रूप में अभिव्यक्त हो सकता है। आरक्षण को लेकर हो रहे जातीय संघर्ष इसी संकट के झलक मात्र हैं।

भारत में युवा आत्महत्या दर में वृद्धि हो रही है और लाखों सरकारी पद खाली पड़े हैं

भारत में सरकारी नौकरी युवाओं के लिए प्रमुख आकर्षण का केंद्र हैं। सेंटर फॉर स्टडीज ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज के लोकनीति प्रोग्राम द्वारा किए जाने वाले राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में सरकारी नौकरी युवाओं की पहली प्राथमिकता के रूप में सामने आई है। 2016 में यह आंकड़ा 65% था और शिक्षित युवाओं में यह आंकड़ा 82% था।

इतनी ज्यादा मांग होने व सरकारी कर्मियों की कमी के कारण जन सेवाओं पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव के बावजूद सरकार खाली पड़े पदों को भरने को लेकर सजग नहीं हैं। संसद के दोनों सदनों में दिए गए जवाबों को इकट्ठा करने से ज्ञात होता है कि कम से कम 24 लाख सरकारी पद खाली पड़े हैं।

सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी के प्रति सरकार के रवैये से पता चलता है कि सरकारें खाली पड़े पदों की निश्चित संख्या भी नहीं बताना चाहती हैं। विभिन्न राज्य सरकारों, नगर पालिकाओं व केंद्र सरकार के पास रिक्त पड़े पदों की गणना की जाए तो यह आंकड़ा 50 लाख के करीब पहुंचेगा।

डाटा को लेकर बेहद सचेत मोदी सरकार ने खाली पड़े पदों की संख्या घटाने का एक नायाब तरीका निकाला, उसने सभी मंत्रालयों व विभागों को पिछले पांच वर्षों से खाली पड़े पदों को चिन्हित कर, उन्हें तत्काल प्रभाव से खत्म करने का आदेश दिया। एक ऐसी सरकार, जिसके द्वारा नियुक्ति प्रक्रिया में देरी कर युवाओं को आत्महत्या के लिए बाध्य करने के लिए कुख्यात है, इस युवा-विरोधी आदेश का पालन करवाने के लिए अनेक रिमाइंडर भेजकर अप्रत्याशित चपलता का प्रदर्शन कर रही है। ज्ञात हो कि इस आदेश के बाद सरकारी कामकाज के ऊपर पड़ने वाले असर का कोई अध्ययन नहीं किया गया है।

'मेरी बेरोजगारी से ही चलता है उनका रोजगार'

रेल मंत्रालय द्वारा जारी 90000 पदों के लिए लगभग 2 करोड़ 37 लाख अभ्यर्थियों का आवेदन भरना अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों का विषय बन रहा है। इन अभ्यर्थियों से 500 रुपये प्रति आवेदन पत्र के हिसाब से सरकार ने 1000 करोड़ रुपये से अधिक केवल आवेदन शुल्क के रूप में वसूल कर लिए। यह स्थिति केवल एक वर्ष की एक परीक्षा की है। प्रत्येक वर्ष, करोड़ों बेरोजगार युवा हजारों करोड़ रुपये केवल आवेदन शुल्क के रूप खर्च कर देते हैं। आवेदन शुल्क के अलावा बेरोजगार युवा घर से दूर रहने, कोचिंग में पढ़ने, परीक्षा के लिए यात्रा करने इत्यादि में भी कई रुपये खर्च कर देते हैं। ये सब 'अनएम्प्लॉयमेंट इंडस्ट्री' का हिस्सा है, जो बेरोजगार युवाओं की कीमत पर लगातार फल-फूल रहा है।

hindi-parcha-final.qxd 1/26/2019 6:30 PM Page 12

सरकार का उदासीन रवैया

'नौकरियों की कमी नहीं है, नौकरियों के आँकड़ों की कमी है।' *–प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी*

प्रधानमंत्री का यह वाक्य बेरोजगारी संकट के प्रति सरकार के रवैये को दर्शाता है। हर वर्ष एक करोड़ नए रोजगार देने का वादा करने वाले मोदी जी अपना वादा निभाने में पूरी तरह विफल रहें हैं। पिछली सरकार के कार्यकाल को अगर 'जॉबलेस ग्रोथ' के लिए याद किया जाता है तो मोदी सरकार के कार्यकाल को 'जॉबलॉस ग्रोथ' के लिए याद किया जाएगा। असल त्रासदी यह है कि मोदी सरकार ने रोजगार सृजन को गंभीरता से लिया ही नहीं। जब युवाओं ने सरकार से मुश्किल सवाल पूछना शुरू किया है, तब से सरकार का पूरा ध्यान मीडिया प्रबंधन और आंकड़ों से बाजीगरी करने पर है। रोचक तथ्य यह है कि सरकार ने रोजगार आंकड़ों में सुधार करने के लिए तत्कालीन उपाध्यक्ष, नीति आयोग की अध्यक्षता में एक टास्क फोर्स का गठन किया था। सरकार ने टास्क फोर्स की अनुशंसा पर रोजगार आंकड़ों को बेहतर बनाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया, और तो और ईपीएफओ आंकड़ों से संबंधित रिपोर्ट की चेतावनी के बावजूद सरकार बढ़े हुए ईपीएफओ रजिस्ट्रेशन को रोजगार वृद्धि के सबूत के रूप में पेश कर रही है। इस तरह से बेरोजगारी दूर करने के बजाय सरकार देश को गुमराह कर रही है। सरकार के मंत्री आए-दिन बेतुकी बयानबाजी करते रहते हैं और बेरोजगार युवाओं के दर्द का मजाक उड़ाते हैं।

बेरोजगारी के खिलाफ चल रहे राष्ट्रव्यापी आंदोलन युवा-हल्लाबोल ने रोजगार अवसरों की कमी और स्वच्छ और समयबद्ध चयन प्रक्रिया के लिए ठोस सुझाव पेश किए हैं। युवा-हल्लाबोल की मांग है कि 'मॉडल एग्जाम कोड' को लागू किया जाए ताकि हर चयन प्रक्रिया को 9 महीने के भीतर पूरा किया जा सके।

मॉडल एग्जाम कोड

"The undersigned is directed to refer to the subject and to say that it has come to the notice of this Department that there are instances of a long time lag between the date of advertisement for the vacancy and date of examination or interview. This delay may deny the opportunity to fresh candidates who become eligible during that-period, while creating an atmosphere of uncertainty to candidates who have applied."

-कार्मिक व प्रशिक्षण विभाग द्वारा 11.01.2016 को जारी किया गया आदेश

चयन प्रक्रिया से देरी में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं को काफी परेशान होना पड़ता है। चयन प्रक्रिया को पूरा होने में कई साल लग जाते हैं और छात्रों को व्यवस्था की कमियों का खामियाजा भुगतना पड़ता है। युवा-हल्लाबोल द्वारा प्रस्तावित 'मॉडल एग्जाम कोड' लागू हो जाने पर युवाओं को काफी राहत मिलेगी।

सरकारी पदों को सृजन करने की क्षमता

भारत के लगभग सभी गवर्नेंस समस्याओं के मूल में सरकारी कर्मचारियों की कमी है।

-रिथिंकिंग पब्लिक इंस्टीट्यूशन्स इन इंडिया

भारत के लगभग सभी गवर्नेंस समस्याओं के मूल में सरकारी कर्मचारियों की कमी है। भारत में प्रति 10 लाख लोगों पर न्यायाधीशों की संख्या केवल 12-15 है, जबकि संयुक्त राज्य अमरीका में हर 10 लाख जनसंख्या पर 110 न्यायाधीश हैं। भारत में निकटवर्ती लक्ष्य कानून आयोग की अनुसंशा 50 जज प्रति मिलियन तक पहुंचने का है। इसी तरह भारत में हर एक लाख लोगों पर केवल 129 पुलिसकर्मी हैं- केवल युगांडा ही ऐसा देश है, जहां इससे कम अनुपात में पुलिसकर्मी हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ की अनुशंसा के अनुसार भारत में लाखों पुलिसकर्मियों के पद सृजित किए जा सकते हैं। जो स्थिति पुलिसकर्मियों और जजों की है, यही स्थिति कमोबेश हर क्षेत्र की है।

सरकार अगर रोजगार के अवसर प्रदान करने और गवर्नेंस सुधारने के लिए वाकई संजीदा है तो फिजूल खर्चों पर नियंत्रण कर और अपना वित्तीय प्रबंधन ठीक ढंग से करके लाखों नए पद सृजित कर सकती है।

hindi-parcha-final.qxd 1/26/2019 6:31 PM Page 13

युवा-हल्लाबोल
Job चाहिए, **Jumla** नहीं !

ज्यादातर युवाओं का सपना होता है कि पढ़-लिखकर एक अच्छी सी नौकरी मिल जाए ताकि अपने घर परिवार को अच्छे दिन और खुशहाल जीवन दे सकें ! क्या आप अपने माँ-बाप के अरमानों को पूरा करना और देश के विकास में योगदान देना चाहते हैं लेकिन अवसरों की कमी और चयन प्रक्रिया में धांधली का शिकार हो रहे हैं? क्या सिस्टम और सरकार की नाकामी के कारण आप सफल नहीं हो पा रहे? क्या एक नौकरी के लिए आपको आंदोलन से लेकर अदालत तक तरह-तरह के संघर्ष करने पड़ रहे हैं? क्या भ्रष्ट लोग आगे निकल जा रहे हैं और ईमानदार छात्र सिस्टम की मार झेलकर पीछे रह जा रहा है? क्या आज मेहनत या मेरिट की बजाय पैसे और पैरवी से नौकरी मिल रही है?

अब सबसे बड़ा सवाल ये है कि ऊपर के सभी सवालों का जवाब अगर 'हां' में है तो आप क्या कर रहे हैं?

ऐसे में तीन काम किए जा सकते थे :-

- अपनी किस्मत का रोना रोकर ये कहते हुए घर बैठ जाएं कि 'ऐसा ही होता है, सब चलता है!'
- हाथ पर हाथ रख कर उस दिन का इंतजार करें जब सरकार को सद्‌बुद्धि आए

या फिर

- युवाओं की ऊर्जा, ताकत और एकजुटता में भरोसा करते हुए बदलाव लाएं और अपना ही नहीं, देश का भविष्य भी उज्जवल बनाएं

सही मायने में युवा वही कहलाता है जो गलत के खिलाफ आवाज उठाकर देश समाज में सकारात्मक बदलाव लाए। इसलिए युवा-हल्लाबोल ने तीसरे ऑप्शन को चुना और देश के कोने-कोने से ऊर्जावान युवाओं को एकजुट करके लड़ने का निर्णय लिया है। आपने क्या तय किया है? राष्ट्रनिर्माण के इस आंदोलन का हिस्सा बन रहे हैं न?

आज की कड़वी सच्चाई ये है कि एसएससी, यूपीएससी, रेलवे भर्ती, शिक्षक, सिपाही भर्ती से लेकर अलग-अलग राज्यों के चयन आयोगों तक हर जगह बेरोजगार युवाओं को छला जा रहा है। सरकारी विभागों में ही कम से कम 24,00,000 पद खाली पड़े हैं। लेकिन नौकरियां निकालने की बजाय सरकार पदों को खत्म कर रही है। नौकरी का विज्ञापन आ भी जाए तो परीक्षा करवाने में ही सालों साल लगा दिए जाते हैं। अगर परीक्षा हो तो पेपर लीक की घटनाएं इतनी आम हो गई हैं कि मीडिया में इनकी खबर भी नहीं बनती। लगभग हर भर्ती परीक्षा में छात्रों को नेताओं, अफसरों, मीडियावालों और वकीलों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। किस्मत से परीक्षा होकर यदि परिणाम आ जाए तो फिर नियुक्ति देने में भी बेमतलब देरी की जाती है। और इतना कुछ होने के बाद युवा अगर लोकतांत्रिक ढंग से प्रदर्शन करे तो यह असंवेदनशील सरकार न ही सुनती है न ही संवाद करती है। अगर कुछ करती भी है तो जॉब मांगने वालों को लाठी-डंडे और तरह-तरह के जुमले देती है। सिस्टम के इसी रवैये से पीड़ित युवाओं द्वारा अब आत्महत्या की दुखद खबरें भी आने लगी हैं।

ऐसे में युवा-हल्लाबोल आंदोलन ने स्पष्ट तौर पर कह दिया है कि युवाओं को 'जॉब चाहिए, जुमला नहीं !' हम बेरोजगारी के खिलाफ सिर्फ शोर नहीं मचा रहे, बल्कि समस्या के समाधान के लिए सकारात्मक सुझाव भी दे रहे हैं। हमने सरकार को सभी युवा समूहों की मांगों से अवगत कराया है। रोजगार के अवसर और ईमानदार परीक्षा प्रणाली के अलावा हमने एक 'मॉडल कोड' भी बनाया है जिसके जरिए कोई भी भर्ती प्रक्रिया 9 महीने में पूरी हो सकती है। युवा-हल्लाबोल का कहना है

'मॉडल कोड लागू करो, 9 महीने में नौकरी दो!'

इन्हीं मांगों को लेकर भारत की युवा आबादी बेरोजगारी के खिलाफ एकजुट हो गई है। लेकिन यह राष्ट्रीय युवा एकता आपके समर्थन और साथ के बिना अधूरी है। राष्ट्रनिर्माण और युवाओं के भविष्य निर्माण की इस मुहिम का हिस्सा बनिए.. **युवा-हल्लाबोल आंदोलन से जुड़िए..**

hindi-parcha-final.qxd 1/26/2019 6:31 PM Page 14

Helpline No: 9810408888

yuvahallabol@gmail.com @yuvahallabol

yuvahallaboll yuvahallabol.in